हमें गर्व है

कम्पनी के गठन के पश्चात् पारेषण पद्धति का विस्तारण

जुलाई 2002 में कम्पनी के गठन के पश्चात् कम्पनी द्वारा पारेषण पद्धति के विस्तारण हेतु चुनौती स्वीकार करते हुए मार्च, 2017 तक अतिउच्चदाब उपकेन्द्र एवं पारेषण लाईन का निमार्ण कार्य किया गया।

क्रमांक	विवरण	1 जुलाई 2002 की स्थिति में प्रणाली	पारेषण पध्दति में वृध्दि जुलाई 1992 से जून 2002 तक (पिछले 10 वर्षों के अंतराल में)	कम्पनी के गठन उपरांत पारेषण पध्दति में वृध्दि (जुलाई 2002 से मार्च 2017 तक)	कुल पारेषण पध्दति (मार्च 2017 की स्थिति में)
1	400 केव्ही नये उपकेन्द्र की स्थापना	4	निरंक	5	9
2	220 केव्ही नये उपकेन्द्र की स्थापना	26	10	45	71
3	132 केव्ही नये उपकेन्द्र की स्थापना	110	23	140	250
4	अतिउच्चदाब पारेषण लाईन का निर्माण (सर्किट किमी.)	17493	2972	14876.40	32369.39
5	अतिउच्चदाब उपकेन्द्रों में ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता (एमव्हीए)	16680	5478	36736.0	53416.0

पारेषण पद्धति के विस्तारण से पारेषण कार्य में जुलाई 2002 से मार्च 2017 तक की महत्वपूर्ण उपलब्धियां :-

क्रमांक	प्रणाली मानक	जुलाई 2002 की स्थिति में	मार्च 2017 की स्थिति में किया गया सुधार
1	पारेषण हानि	7.93%	2.71%
2	पारेषण पध्दति उपलब्धता	95.00%	98.39%

कम्पनी द्वारा अर्जित पुरस्कार

8वां इंण्डिया पॉवर अवार्ड 2015:-

- काउंसिल आफ पॉवर यूटीलिटीज,नई दिल्ली द्वारा नवबंर 2015 में कम्पनी को 8वां पॉवर इंण्डिया अवार्ड, ऊर्जा क्षेत्र में बहुमूल्य योगदान प्रदान करने एवं असा धारण परियोजना श्रेणी में जनभागीदारी योजना के तहत् 400के.व्ही.सतपुडा–आष्टा ट्रांसमिशन लाइन को पूर्ण करने हेतु प्रदान किया गया।

सबीआईपी अवार्ड 2018 :–

- सेंटल बोर्ड ऑफ इरीगेशन एंड पावर (सीबीआईपी), नई दिल्ली द्वारा म.प्र.पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड को 3 जनवरी 2018 का बेस्ट परफॉमिंग पॉवर ट्रांसमिशन यूटिलिटी पुरस्कार प्रदान किया गया।

ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदत पुरस्कार :

- 220 केवी उपकेंद्र पीथमपुर में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर की स्थापना का कार्य मात्र 4 माह की अवधि में पूर्ण किये जाने पर कम्पनी को स्वर्ण शील्ड मार्च 2008 में प्रदान की गयी।
- इंदिरा सागर हाईडल प्रोजेक्ट के विद्युत निकासी सिस्टम को निर्धारित समय सीमा से पहले पूर्ण किये जाने पर कम्पनी को रजत शील्ड मार्च 2007 में प्रदान की गयी।

राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय पुरस्कार :

- सभी क्षेत्रों में असाधारण कार्य निष्पादन के लिये "एशियन यूटिलिटी ऑफ द ईयर - 2006"
- इंदिरा सागर हाईडल इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट के विद्युत निकासी सिस्टम को विषम परिस्थितियों में निर्धारित समय सीमा से पहले पूर्ण किये जाने पर कम्पनी को "एशियन टी. एंड डी. प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर -2006"
- ऊर्जा के क्षेत्र में सुधार गतिविधियों में अग्रिणी भूमिका निभाने पर "इंडिया टेक एक्सीलेंस अवार्ड - 2007" से सम्मानित किया गया ।
- विद्युत पारेषण के क्षेत्र में प्रभावी एवं कुशल परियोजना प्रबंधन हेतु नवंबर 2008 में कॉउन्सिल ऑफ पॉवर यूटिलिटी, नई दिल्ली द्वारा "इंडिया पॉवर अवार्ड" से सम्मानित किया गया।
- काउन्सिल ऑफ पॉवर यूटिलिटी नई दिल्ली द्वारा नवंबर 2011 में बिना किसी वित्तीय प्रतिबद्धता के कम्पनी द्वारा पारेषण हानि कम करने हेतु विकसित की गई नवीन तकनीक के लिए "इंडिया पॉवर अवार्ड - 2011" से सम्मानित किया गया।

- 220/132 केवी कोटर सबस्टेशन का निर्माण निर्धारित समयसीमा के पूर्व पूर्ण करने पर केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मार्च 2012 में रजत शील्ड प्रदान की गयी।
- काउन्सिल ऑफ पॉवर यूटिलिटी नई दिल्ली द्वारा, ऊर्जा के क्षेत्र मे योगदान के लिए मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को उल्लेखनीय परियोजना श्रेणी के अन्तर्गत "इंडिया पॉवर अवार्ड - 2015" से सम्मानित किया गया।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त पुरस्कार :

- राष्ट्रीय कृषि कर्मण पुरस्कार - देश में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु मध्य प्रदेश को गौरवशाली राष्ट्रीय कृषि कर्मण पुरस्कार प्राप्त होने की उपलब्धि पर मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा कृषि क्षेत्र के विकास में किये गए उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए मध्य प्रदेश शासन द्वारा जनवरी 2016 में प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया ।